प्रतिवेदन

बी.पी. की रोकथाम के लिए मितानिनों के द्वारा किये गये प्रयास

शहरी मितानिन कार्यक्रम

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़

बी.पी. की रोकथाम के लिए
मितानिनों द्वारा किये गये प्रयास

हमारे देश में करोड़ो लोग उच्च रक्तचाप की बीमारी से ग्रसित है जिसमें छतीसगढ़ राज्य में भी उच्च रक्तचाप के मरीजों की संख्या हर वर्ष बढ़ती ही जा रही है। उच्च रक्तचाप एक गैर संचारी रोग है जिसे बिना जाँच के नहीं पहचाना जा सकता। चूँकि बी.पी. की बीमारी का पता लगाना मुश्किल है इसलिए इससे होने वाले खतरों जैसे लकवा, हार्टअटैक और गंभीर प्रकरणों में मृत्यु खतरा होता है। उच्च रक्तचाप की पहचान और पहचान के बाद जांच और जांच के बाद उच्च रक्तचाप की पुष्टि होने पर इलाज जरुरी होता है।

शहरी मितानिन कर्यक्रम के अंतर्गत मितानिनों द्वारा अपने पारा में रहने वाले 30 वर्ष से अधिक सभी लोगों को उच्च रक्तचाप के जांच व इलाज के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

mí' ; &

- लोगों के बी.पी. की जांच कर बीमारी की पहचान करना।
- बी.पी. के मरीजों का इलाज नहीं करवाने पर होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना।
- बी.पी. के मरीजों का शासकीय अस्पतालों में जांच, इलाज एवं दवा दिलवाने में मदद करना।
- बी.पी. से होने वाले खतरों से लोगों को बचाना एवं बी.पी. की वजह से होने वाली मृत्यु दर में कमी लाना।
- बी.पी. के मरीजों के द्वारा दवा का सेवन नियमित किया जा रहा है या नहीं इसकी निगरानी करना।

ch-ih- ds ejhtksa dh bykt ugha djokus dh leL;k&शहरी मितानिन कार्यक्रम द्वारा लोगों से बी.पी. के विषय पर चर्चा में बी.पी. के बारे में जानकरी व इलाज नहीं करवाने के पीछे की मुख्य समस्या बी.पी. की बीमारी के लक्षण नहीं होने से पहचान करना मुश्किल होना, पारा से पी.एच.सी. की दुरी, बी.पी. जांच को आवश्यक नहीं समझना एवं अस्पताल आने–जाने के लिए पैसा नहीं होना आदि पहचानी गयी है।

'kgjh ferkfuu dk;ZØe ds }kjk ch-ih- ls cpko o jksdFkke ds fd;s fd;s x;s ç;kl &

çf'k{k.k&लोगों के बी.पी. जांच के प्रति एक भय, असुविधा और अनभिज्ञता की समस्या को दूर करने के लिए उनके पारा की मितानिन को बी.पी. की बीमारी के प्रत्येक पहलु पर जानकारी के लिए तीन चरणों में अलग–अलग शहरों की मितानिनों को बी.पी. पर प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रशिक्षण प्राप्त सभी मितानिनों को बी.पी. मशीन भी दिया गया।

çFke pj.k çf'k{k.k & जून 2019 में पायलेट परियोजना के रूप में प्रथम चरण प्रशिक्षण में रायपुर शहर की 231 मितानिनों को इलेक्ट्रानिक बी.पी. मशीन से बी.पी. की जांच करने एवं बी.पी. के लक्षण व इलाज संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

f}rh; pj.k çf'k{k.k & जून 2019 से रायपुर शहर के 231 मितानिनों के द्वारा बी.पी. के मरीजों की स्क्रीनिंग जिसमें बी.पी. की जांच कर नये मरीजों की पहचान एवं बी.पी. के

पुराने मरीजों के इलाज में सहायता एवं निगरानी के कार्य के सफल 6 माह के प्रयास को देखते हुए जनवरी 2020 में दुर्ग, बिरगांव, चरोदा, भिलाई और रायपुर की 747 मितानिनों को प्रशिक्षण दिया गया।

r'rh; pj.k çf'k{k.k & जून–जुलाई माह 2020 में 19 शहरों की 2733 मितानिनों जिनका पहले दो चरणों में प्रशिक्षण नहीं हो पाया था उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। मितानिनों द्वारा बी.पी. से बचाव व रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयास –

- मितानिनों द्वारा अपने पारा में पुराने और नये मरीजों को बी.पी. की जांच नियमित की जा रही है।
- मितानिनों द्वारा बी.पी. के मरीजों के घर नियमित परिवार भ्रमण कर उनके दवा की निगरानी और खान–पान की सलाह दी जा रही है।

- मितानिनों द्वारा बी.पी. के सभी नये व पुराने मरीजों का रिकार्ड रखा जा रहा है।
- ऐसे मरीज जिनका दवा के सेवन के बाद भी बी.पी. सामान्य नहीं होता मितानिनों के द्वारा उन्हें अस्पताल रेफर किया जा रहा है।

ch-ih- tkp 'kgjokj ekg flrEcj 2020

Ø-	'kgj	tkudkjh ikIr ferkfuu dh l[;k	vc rd fpUgkfdr ch-ih- d ejht	xr ekg bue l fdru ejht dh ch-ih- tkp fd;	fdru ejht dk ch-ih- Bhd ik;k x;k	fdru ejht fu;fer nok [kk jg g	vc rd 30 o"k l vf/kd vk;q d fdru 0;fDr;k dh ch-ih- tkp dh	mue l fdru dk ch-ih- vf/kd vk;k	Mue l fdru vLirky x;	mue l fdru e ch-ih- chekjh dh if"V gb vkj nok pky gb
1.	रायपुर	975	17482	8453	6585	7002	74951	12502	7756	3687
2.	बिरगांव	99	1043	858	741	760	6538	466	349	188
3.	जगदलपुर	101	2135	837	549	641	847	115	78	44
4.	चरोदा	97	2419	836	569	763	8299	1443	606	236
5.	धमतरी	103	3246	776	586	676	765	111	86	65
6.	अम्बिकापुर	94	1373	934	710	841	703	206	158	117
7.	चिरमिरी	250	3013	1585	1279	1209	1512	123	103	74
8.	राजनांदगांव	138	3096	1299	887	1205	1056	141	67	48
9.	रायगढ़	163	3185	1319	1154	1119	1105	101	49	35
10.	कांकेर	36	548	337	264	330	211	42	18	10
11.	महासमुंद	33	540	175	95	160	221	25	19	7
12.	भाटापारा	33	902	259	240	238	975	85	62	10
13.	मुंगेली	30	674	208	176	180	323	16	10	4
14.	जांजगीर	28	471	159	105	138	215	34	16	2
15.	कवर्धा	30	529	268	205	265	410	30	20	6
16.	बिलासपुर	414	5711	3588	2803	2427	4165	305	242	170
17.	भिलाई	451	13210	4864	3426	4242	29266	5038	3073	734
18.	कोरबा	380	5521	2435	2055	2194	5131	766	295	168
19.	दुर्ग	237	6215	1613	1336	1420	11909	1280	507	201
d;y		**3692**	**71313**	**30803**	**23765**	**25810**	**148602**	**22829**	**13514**	**5806**

ferkfuuk d }kjk ch-ih- d ejhtk d tkp o bykt e dh xb lgk;rk lc/kh lQyrk dh dgkuh

ferkfuu u ch-ih- ejht dh le; ij tkp dj gn;?kkr gku l cpk;k

okM Øekd 1] jk;iqj

पारा की 43 वर्षीय एक महिला को सास लेने में परेशानी हो रही थी। महिला अपने पारा की मितानिन के पास मदद के लिए गयी। मितानिन ने सबसे पहले महिला के बी.पी. की जांच की तो महिला का बी.पी. बहुत कम आया। मितानिन ने महिला को ओ.आर.एस. का घोला बनाकर पिलाया और स्थिति को देखते हुए महिला को एम्स लेकर गई। एम्स में महिला की पूरी जांच करने के बाद डॉक्टरों ने बताया की महिला के हृदय के वाल्व सिकुड़ गए हैं इसलिए सास लेने में परेशानी हो रही है और ऑपरेशन करने की आवश्यकता है। महिला के घर वाले महिला को तुरंत हैदराबाद के अस्पताल लेकर गये और ऑपरेशन करवाए। अब महिला स्वस्थ है।

vuhrk pn/y&ferkfuu

ferkfuu u efgyk dh tkp dj mls ch-ih- vkj 'kxj dh chekjh gku d ckj e tkudjh nh vkj bykt djok;k

jktho uxj okM Øekd 33] vkdk'k uxj ikjk] txnyiqj

पारा में की राजकुमारी बाई की तबियत ठीक नहीं रहती थी। राजकुमारी को अगर कोई घाव हो जाता था तो जल्दी ठीक नहीं होता था, चक्कर आते रहते थे, आँखों से साफ दिखाई नहीं देता था। राजकुमारी बाई के पारा की मितानिन चंद्रा नाथ का उसी दौरान बी.पी. का प्रशिक्षण हुआ और उसे बी.पी. की मशीन भी दी गयी। मितानिन चंद्रा ने प्रशिक्षण के

बाद परिवार भ्रमण के लिए राजकुमारी के घर गयी तो राजकुमारी ने मितानिन को अपनी तबियत के बारे में बताया। मितानिन ने राजकुमारी के बी.पी. जांच की तो 180/100 निकला। मितानिन ने थोड़ी देर रूक–रूक कर राजकुमारी के बी.पी. की जांच की परन्तु हर बार बी.पी. बढ़ा हुआ ही आया। मितानिन, राजकुमारी को लेकर तुरंत जिला अस्पताल गई। जिला अस्पताल में राजकुमारी के बी.

पी. की जांच में बी.पी. बढ़ा हुआ आया और शुगर की बीमारी होने का भी पता चला। राजकुमारी की बी.पी. और शुगर की दवा चालू की गयी। मितानिन राजकुमारी के घर नियमित जाती रहती है और उसे दवा और खानपान की सलाह देती रहती है। दवा चालू करने के बाद से राजकुमारी की तबियत में बहुत सुधार आया है। pæk ukFk&ferkfuu

ferkfuu d }kjk ch-ih- tkp l ykxk dk gk jgh tkp e vklkuh

okM Øekd 11] c<kegkno ikjk] do/kk

पारा की मितानिन पूजा झरिया को मितानिन कार्यक्रम के अंतर्गत बी.पी. का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद मितानिन अपने पारा में रहने वाली एक दीदी से मिलने गई तो उन्होंने बताया की उसे सिर में भारीपन व चक्कर भी आ रहा है। मितानिन ने दीदी के बी.पी. की जांच की। जांच में दीदी का बी.पी. 160/112 निकला। मितानिन ने दो से तीन बार थोड़ी–थोड़ी देर में फिर से बी.पी. की जांच की परन्तु बी.पी. हर बार बढ़ा हुआ आया। मितानिन, दीदी को तुरंत यू.पी.एच.सी. जांच के लिए के लेकर गई। यू.पी.एच.सी. में भी दीदी का

बी.पी. का बढ़ा हुआ आया। दीदी को दवा दी गयी। मितानिन ने दीदी को नियमित दवा और खानपान के बारे में सलाह दी। मितानिन ने दो दिन बाद फिर से दीदी के बी.पी. जांच की तो दीदी का बी.पी. सामान्य निकला। iwtk >fj;k&ferkfuu

ch-ih- dh tkap vkj bykt esa nsjh ls ydok gks ldrk gS
vkekikjk] okMZ Øekad 7] dkadsj

मितानिन उमा शर्मा के पारा में एक व्यक्ति रहते हैं जो हमेशा सर दर्द की शिकायत करते थे और मितानिन से पैरासिटामाल लेकर जाते थे। मितानिन को जब बी.पी. प्रशिक्षण के बाद बी.पी. मशीन मिली तो मितानिन ने उस व्यक्ति के बी.पी. की जांच की। जांच में उस व्यक्ति का बी.पी. 180/100 निकला। मितानिन ने उस व्यक्ति को तुरंत अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टर ने उस व्यक्ति के बी.पी. की जांच की तो बी.पी. बहुत बढ़ा हुआ था। डॉक्टर ने उस व्यक्ति को भर्ती होने के लिए कहा परन्तु उस व्यक्ति ने घर में कोई नहीं है कहकर घर वापस आ गया। घर आने के बाद उस व्यक्ति को लकवा मार दिया। मितानिन व्यक्ति को अस्पताल लेकर गई। जहां भर्ती कर इलाज किया गया। अस्पताल से कुछ दिनों में उस व्यक्ति की छुट्टी की गई। अस्पताल से आने के बाद मितानिन उस व्यक्ति का नियमित बी.पी. जांच करती है और खानपान की सलाह देती रहती है। यह व्यक्ति घर में अकेला कमाने वाला था तो घर में भोजन की समस्या भी होने लग गयी थी। मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने उस व्यक्ति के घर में राशन की व्यवस्था भी की। अभी उस व्यक्ति के स्वास्थ्य में बहुत सुधर हुआ है। mek 'kekZ&ferkfuu

ch-ih- dh tkp fu;fer djokuk pkfg,
okM Øekd 14] pjknk

पारा में एक मोतीलाल नाम का व्यक्ति रहता है जिसकी तबियत ठीक नहीं लगती थी तो मितानिन उन्हें अस्पताल में जाकर बी.पी. जांच के लिए बोलती थी परन्तु वे नहीं सुनते थे। मितानिन को गायत्री विश्वकर्मा को जब प्रशिक्षण के बाद बी.पी. मशीन मिली तो उसने उस व्यक्ति का बी.पी. जाँच किया। मोतीलाल का बी.पी. 190/104 निकला। मितानिन ने मोतीलाल को देखा तो उनका मुंह हल्का सा टेढ़ा और मुंह में झाग भी आ रहा था। मितानिन तुरंत मोती लाल को अस्पताल लेकर गयी। अस्पताल में डॉक्टर ने मोतीलाल का बी.पी. जांच कर बोला कि आप सही समय पर आ गए नहीं तो आपको लकवा हो सकता था। मोतीलाल का तुरंत इलाज चालू किया गया। मितानिन के द्वारा मोतीलाल के बी.पी. नियमित जांच की जा रही है और सही समय पर इलाज से मोती लाल का बी.पी. का खतरा टल गया। मोतीलाल अभी स्वस्थ है।

xk;=h fo'odek&ferkfuu